

The Brigade School Revision 2020-21

Total points **6/10** ?

Std 10
marks - 10

0 of 0 points

Name of the Student *

मनन मेहता

School Name *

☒ TBSG

☐ TBSW

खंड - क

3 of 5 points

अंक - 5

✓ निम्नलिखित प्रश्नों के दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिये। क] सूखी डाली - किस तरह का एकाँकी है ? *

1/1

☐ ऐतिहासिक

☒ सामाजिक



☐ काल्पनिक



✗ दादीजी मूलराज स्वभावतः कैसे आदमी थे ? *

0/1

☐ अनुशासनबद्ध

☐ अनुशासनहीन

☒ अनुभवी

✗

Correct answer

☒ अनुशासनबद्ध

✗ बेला के चरित्र की विशेषता यह है *

0/1

☒ घमंडी, गर्वी, अनुशासनहीन

✗

☐ दयालु, स्नेहपरत, मृदु स्वभाव

☐ सुशिक्षित, संस्कारी, संहजीव

Correct answer

☒ सुशिक्षित, संस्कारी, संहजीव

✓ परेश का व्यवसाय क्या था ? *

1/1

☒ नायाब तहसीलदार

✓

☐ सरकारी कर्मकारी

☐ खतीबाड़ी



✓ 'सुखी डाली' इस एकाँकी का रचनकार कौन है ? *

1/1

- ☐ विष्णु प्रभाकर
- ☐ भारत भूषण 'अग्रवाल'
- ☒ उपेन्द्रनाथ 'अशक'



खंड - ख

3 of 5 points

अंक - 5

दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़कर नीचे दिए गए विकल्पों से सही विकल्प चुनकर लिकिए।

हँसी भीतरी आनंद का बाहरी चिह्न है। जीवन की सबसे प्यारी और उत्तम से उत्तम वस्तु एक बार हँस लेना तथा शरीर को अच्छा रखने की। अच्छी-से-अच्छी दवा एक बार खिलखिला उठना है। पुराने लोग कह गए हैं कि हँसों और पेट फुलाओ। हँसी कितने ही कला-कौशलो से भली है। जितना ही अधिक आनंद से हँसोगे उतनी ही आयु बढ़ेगी। एक यूनानी विद्वान् कहता है कि सदा अपने कर्मों पर खीझने वाला हेरीक्लेस बहुत कम जिया, पर प्रसन्न मन डेमोक्रीट्स 109 वर्ष तक जिया। हँसी-खुशी का नाम जीवन है। जो रोते हैं उनका जीवन व्यर्थ है। कवि कहता है- 'जिंदगी जिंदादिली का नाम है, मुर्दा दिल क्या खाक जिया करते हैं। मनुष्य के शरीर के वर्णन पर एक विलायती विद्वान् ने पुस्तक लिखी है। उसमें वह कहता है कि उत्तम सुअवसर की हँसी उदास-से-उदास मनुष्य के चित्त को प्रफुल्लित कर देती है। आनंद एक ऐसा प्रबल इंजन है कि उससे शोक और दुख की दीवारों को ढा सकते हैं। प्राण रक्षा के लिए सदा सब देशों में उत्तम-से-उत्तम उपाय मनुष्य के चित्त को प्रसन्न रखना है। सुयोग्य वैद्य अपने खोल के कानों में आनंदरूपी मंत्र सुनाता है। एक अंग्रेज डॉक्टर कहता है कि किसी नगर में दवाई लदे हुए बीस गधे ले जाने से हँसोड़ आदमी को ले जाना अधिक लाभकारी है।

✓ हंसी क्या है? *

1/1

- ☐ भीतरी आनंद का भीतरी चिह्न
- ☐ भीतरी दुख का भीतरी चिह्न
- ☒ भीतरी आनंद का बाहरी चिह्न



✓ हँसी के बारे में एक कवि क्या कहता है ? *

1/1

☒ जिंदगी जिंदादिली का नाम है, मुर्दा दिल क्या खाक जीएगा ।



☐ हँसी - प्यारी और उत्तम वस्तु है ।

☐ एक अच्छी दावा है ।

✓ सुयोग्य वैद्य अपने खोल के कानों से क्या सुनता है ? *

1/1

☐ मनुष्य प्रसन्न चित होने का मंत्र

☐ हंसोड़ आदमी के लाभकारी मात्र

☒ आनंदरूपी मात्र



✗ एक अंग्रेजी डाक्टर क्या कहता था ? *

0/1

☐ किसी नगर में दवाई लड़े हुए गधे ले जाने से हँसोड़ आदमी को ले जाना अधिक लाभकारी है ।

☐ किसी नगर में दवाई लड़े हुए गधे ले जाने से चतुर आदमी को ले जाना अधिक लाभकारी है ।

☐ किसी नगर में दवाई लड़े हुए ऊँट ले जाने से हँसोड़ आदमी को ले जाना अधिक लाभकारी है ।

Correct answer

☒ किसी नगर में दवाई लड़े हुए गधे ले जाने से हँसोड़ आदमी को ले जाना अधिक लाभकारी है ।



✗ इस गद्यांश के उचित शीर्षक होगा *

0/1

☒ हँसी और मनुष्य

✗

☐ हँसी के महत्व

☐ हँसी के रूप

Correct answer

☒ हँसी के महत्व

अवतरणाधारित प्रश्नोत्तर अंक - 3

0 of 0 points

दिए गए अवतरण को ध्यान से पढ़िए और दिए गए प्रश्न के उत्तर लिखिए :

अवतरण ; झट से बोली , " वह तमीज तो बस आप लोगों को है । "

प्र 1 . यह प्रसंग किस समय का है ? कौन किसे बता रहा है ?

उपर्युक्त अवतरण उस समय का है जब इन्द्र और बेला के बीच रजवा को लेकर थोड़ी बहस हो जाती है । यह अवतरण में इन्द्र, बड़ी बहू को अपनी और बेला की वार्तालाप बता रही है ।

प्र 2 . इंदु और वक्ता के बीच क्या संबंध है ? उसने वक्ता को क्या समझाया और क्यों ?

इन्द्र वक्ता की नन्द है और उसे समझती है कि उसे नौकर से काम निकलवाने का ढंग आना चाहिए ।

This content is neither created nor endorsed by Google. - [Terms of Service](#) - [Privacy Policy](#)

Google Forms

